ACC-1

बी.डी.पी.

व्यवहार मूलक पाठ्यक्रम
बाल देखभाल सेवाओं का संगठन (ए.सी.सी.-1)

सत्रीय कार्य 1
जुलाई सत्र, 2020
एवं
जनवरी सत्र, 2021

सतत् शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य–1

जुलाई 2020 और जनवरी 2021

कार्यक्रम कोड : ए.सी.सी.–1

प्रिय विद्यार्थी,

इस डिप्लोमा कार्यक्रम में आपको कुल एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है। इस सत्रोय कार्य के तीन भाग हैं – भाग 'क' और भाग 'ख' एवं 'ग'। भाग 'क' में सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित प्रश्न हैं और भाग 'ख' एवं 'ग' में प्रयोगात्मक अभ्यास हैं। सत्रीय कार्य के 100 अंक हैं। इसमें 60 अंक भाग 'क' के हैं और 20-20 अंक भाग 'ख' एवं 'ग' के लिए हैं।

इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' के प्रश्न इस पुस्तिका में हैं। सत्रीय कार्य के भाग 'ख' व भाग 'ग' प्रयोगात्मक अभ्यास है। इन अभ्यासों का विस्तृत ब्यौरा पाठ्यक्रम से संबद्ध प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में छपा है, जो आपको अब तक मिल गयी होगी। इस नियमावली में छपे अभ्यासों में से आपको दो अभ्यास करने है। इस नियमावली में से कौन-से दो अभ्यास करने हैं, यह इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में छपे सत्रीय कार्य के भाग 'ख' तथा भाग 'ग' में बताया गया है। तथापि आपके लिए सभी अभ्यास करना लाभप्रद होगा। इसके द्वारा आपको बच्चों के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा।

हमारा सुझाव है कि आप प्रयोगात्मक नियमावली में दिए गए सभी अभ्यासों को करें। इससे आप वास्तविक जीवन में सैद्धांतिक संकल्पनाओं को व्यावहारिक रूप से लागू कर पाएँगे और मूल्यांकन के लिए भेजे जाने वाले प्रयोगात्मक अभ्यासों को बेहतर रूप से कर पाएंगे।

सत्रीय कार्य से संबंधित बातें :

करें :

1) जैसे ही आपको सत्रीय कार्य पुस्तिका मिले, आप उसे अच्छी तरह देख लें कि उसमें सभी पृष्ठ हैं या नहीं। यदि कोई पृष्ठ न हो तो उसके बारे में हमें सूचित करें।

2) सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में जमा करें।

3) सत्रीय कार्य जमा करने से पहले उसकी एक फोटोकापी (प्रतिलिपि) अपने पास अवश्य रखें। यदि आपके द्वारा जमा किया गया सत्रीय कार्य किसी कारणवश खो जाता है तो आपसे उसकी फोटोकापी (प्रतिलिपि) जमा करने के लिए कहा जाएगा।

4) हमारे पास भेजे गए सत्रीय काय और जाँचे गए पत्रकों का लेखा-जोखा रखें। यह आपको अपने कार्य की अनुसूची बनाने में सहायक होगा और आप उसी सत्रीय कार्य को दोबारा नहीं भेजेंगे।

न करें :

1) जाँचे गए उत्तर-पत्र को भेजने के लिए हमसे संपर्क/पत्र-व्यवहार न करें। जितनी जल्दी हो सकेगा हम जाँचे गए उत्तर-पत्र आपको भेज देंगे।

2) जाँचे जा चुके सत्रीय कार्य को गुम न होने दें। जब तक यह पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो जाता, तब तक आपको कभी भी इसकी जरूरत पड़ सकती है।

3) सत्रीय कार्य के साथ अपनी पुष्टि के लिए प्रश्न न भेजें। अगर आप हमारा ध्यान किसी महत्त्वपूर्ण या जरूरी बात की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, तो हमें अलग से पत्र लिखकर बताइए। अपने पत्र के ऊपर अपना नाम, पता, पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य संख्या, इत्यादि लिखें।

निर्देश :

सत्रीय कार्य करने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक अवश्य लिखें।

2. अपने उत्तर-पत्र के पहले पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का नाम, सत्रीय कार्य का कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें जिससे आप संबद्ध हैं।

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के उत्तर-पत्र का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से होगा :

पाठ्यक्रम शीर्षक ..... नामांकन संख्या .....
.....

सत्रीय कार्य सं. ..... नाम .....
.....

अध्ययन केंद्र ..... पता .....
.....

.....
.....

.....
.....

दिनांक .....
.....

उपर्युक्त फॉरमेट का अनुसरण करें। ऐसा न किए जाने पर आपका सत्रीय कार्य आपको लौटा दिया जाएगा और उस सही फॉरमेट में दुबारा जमा कराना पड़ेगा।

3. कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देशों को पढ़ें।

4. कृपया नोट करें कि यदि आप पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य निर्धारित समय से अपने अध्ययन केंद्र में नहीं जमा कराते हैं तो आपको पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. इस सत्रीय कार्य के भाग 'क' 'ख' और 'ग' को एक साथ संलग्न कर जमा कराएँ, अन्यथा आपका सत्रीय कार्य बिना जाँचे आपको लौटा दिया जाएगा।

बाल देखभाल सेवाओं का संगठन (ए.सी.सी.-1)

सत्रीय कार्य-1

(टी एम ए-1)

पाठ्यक्रम कोड : ए.सी.सी.-1

सत्रीय कार्य कोड : ए.सी.सी-1/सत्रीय कार्य-1/टीएमए-1/2020-21

जुलाई 2020 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 मार्च 2021

जनवरी 2021 सत्र के लिए जमा कराने की अंतिम तिथि : 30 अक्टूबर, 2021

अधिकतम अंक : 100

भाग क

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : अंक : 60

1. निम्नलिखित प्रत्येक को उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए: (प्रत्येक 200 शब्दों में)

   i) निर्णायक अवधियाँ

   ii) अहंकेन्द्रिकता

   iii) स्वायत्तता

   iv) संरक्षण (3×4=12 अंक)

2. क) उन चार संज्ञानात्मक योग्यताओं का उल्लेख कीजिए जिन्हें आप चाहते हैं कि आपके केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा पूरी करने तक पाँच वर्षीय बच्चे अर्जित कर लें। (2 अंक)

   ख) उपरोक्त भाग (क) में आपने जिन संज्ञानात्मक योग्यताओं की पहचान की है, उस प्रत्येक योग्यता को बढ़ावा देने के लिए एक-एक गतिविधि की योजना बनाइए जो पाँच वर्षीय बच्चों के लिए उपयुक्त हो (कुल चार गतिविधियाँ)। (2×4=8 अंक)

3. क) भालापूर्व बच्चों के लिए क्रियाकलापों की साप्ताहिक अनुसूची बनाते समय आप जिन कारकों को ध्यान में रखेगें, उनका वर्णन कीजिए।(500 शब्द) (5 अंक)

   ख) बाल देखभाल केन्द्र में बाहरी स्थान की व्यवस्था करते समय आप किन बातों को ध्यान में रखेंगे? (400 शब्द) (4 अंक)

4. क) तीन वर्षीय बच्चों के भाशायी विकास का मूल्यांकन करने के लिए एक जाँच सूची बनाइए जिसमें पाँच कौशल/योग्यताएँ वर्णित हों। (5 अंक)

   ख) ऐसी पाँच कार्यनीतियाँ सुझाइए जिनका प्रयोग कर माता-पिता अपने शिशु की प्रथम वर्ष के दौरान भाषा अर्जित करने में सहायता कर सकते हैं। यह भी स्पष्ट कीजिए कि यह कार्यनीतियाँ भाषायी विकास में किस प्रकार सहायक होंगी? (500 शब्द) (5 अंक)

5. निम्नलिखित बताइए (प्रत्येक 200 शब्दों में)

(i) छोटे बच्चों को कहानी सुनाने का महत्त्व

(ii) अभिभावकों द्वारा बच्चों को अनुशासित करने की तकनीकें

(iii) शशवावस्था के दौरान लगाव का महत्त्व

(iv) बच्चों के खेल पर मीडिया का प्रभाव (2.5×4=10 अंक)

6) क) शैशवावस्था और 13 से 36 माह की अवस्था (यानी, जन्म से 3 वर्ष तक की आयु) से उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए कि विकास के विभिन्न क्षेत्र एक-दूसरे पर कैसे प्रभाव डालते हैं? (500 शब्द) (5 अंक)

ख) क्रैश कार्यकर्ता 6 से 12 माह के शिशुओं के क्रियात्मक व संवेदी कौशलों को बढ़ावा देने के लिए जो दो खेल-क्रियाएं आयोजित का सकते हैं, उनका संक्षिप्त में वर्णन कोजिए।

(2×2=4 अंक)

भाग ख

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के अवलोकन से संबंधित कोई भी एक अभ्यास करना है। ए.सी.सी.-1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 4, 6 तथा 7 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्शदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें।

अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं :

अभ्यास 4		कुल अंक : 20
अंकों का विभाजन :	बच्चों तथा माता-पिता का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	10 अंक
	अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	10 अंक
अभ्यास 6		कुल अंक : 20
अंको का विभाजन :	बच्चे का अवलोकन करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	10 अंक
	अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	10 अंक
अभ्यास 7		कुल अंक : 20

अंकों का विभाजन :	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित क्रियाएँ आयोजित करना तथा अवलोकनों को रिकार्ड करना :	5+5=10 अंक
	मिलाने तथा संरक्षण से संबंधित अवलोकनों का विश्लेषण तथा निष्कर्ष :	5+5=10 अंक

भाग ग

(20 अंक)

इस भाग में आपको बच्चों के लिए खेल क्रियाओं की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने संबंधित कोई भी एक अभ्यास करना है। ए.सी.सी.-1 की प्रयोगात्मक कार्यों की नियमावली में वर्णित 5, 8 तथा 9 अभ्यासों में से कोई एक अभ्यास करें, तथा इसे मूल्यांकन हेतु परामर्शदाता को भेजें।

यदि आप तीनों ही अभ्यास करते हैं तो यह आपके लिए उपयोगी होगा। इससे आपको बच्चों का अवलोकन करने, अपने अवलोकनों को रिकार्ड करने और उनका विश्लेषण करने का अभ्यास होगा। इसके पश्चात् आपको जो अभ्यास सबसे अधिक अच्छा लगे, उसे मूल्यांकन के लिए भेजें। अभ्यासों के अंक संबंधित निर्देश इस प्रकार हैं :

अभ्यास 5		कुल अंक : 20
अंकों का विभाजन :	शिशु के साथ बनाए खिलौने के साथ खेलना और अवलोकनों के रिकार्ड करना :	10 अंक
	खेल क्रिया का मूल्यांकन करना और निष्कर्ष लिखना :	10 अंक
अभ्यास 8		कुल अंक : 20
अंकों का विभाजन :	दो खेल क्रियाओं की योजना बनाना	5+5=10 अंक
	दो क्रियाएँ आयोजित करना व उनका विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना :	5+5=10 अंक
अभ्यास 9		कुल अंक : 20
अंकों का विभाजन :	त्यौहार का वर्णन करना :	2 अंक
	कमरे को पुनः व्यवस्थित करने के सुझाव देना :	6 अंक
	सप्ताह भर की क्रियाओं की अनुसूची बनाना :	6 अंक
	क्रियाओं का संक्षिप्त विवरण :	6 अंक